

कुछ छोटे छोटे परिरूपन कार्यों के अलावा लगभग पूरा किया जा चुका है। काम पूरा करने में देरी मुख्यतः काम करने लायक सीमित मौसम, कठिन कार्यावस्थाओं और कुशल कारीगरों की कमी के कारण हुई है।

(ग) आशा है कि प्रयोगशाला पहली जूलाई १९६३ से पूरी तरह काम करने लगेगी।

(घ) अनुमान है कि प्रयोगशाला की स्थापना पर होने वाला कुल व्यय लगभग १० लाख रुपये होगा। क्योंकि प्रयोगशाला ने अभी पूरी तरह काम करना शुरू नहीं किया, इसलिए अवर्तक व्यय का बहुत सही अनुमान बताना सम्भव नहीं। फिर भी, आशा है कि यह व्यय एक लाख रुपये प्रतिवर्ष से ज्यादा नहीं होगा। यह प्रयोगशाला भारत के प्रत्येक भाग से आये वैज्ञानिकों को ज्यादा ऊँचाई पर परीक्षण करने की सुविधा देने के उद्देश्य से स्थापित की जा रही है। ज्यादातर वैज्ञानिक परीक्षणों के लिए आवश्यक विशिष्ट उपकरण स्वयं लायेंगे।

विमानों का निर्माण

*८७५. { श्री ओंकारलाल बेरवा :
श्री राम हरख यादव :
श्री बृजराज सिंह कोटा :
श्री राम सहाय पाण्डेय :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने विमानों के निर्माण के लिये दो नई कम्पनियाँ बनाने का निर्णय किया है ;

(ख) यदि हाँ, तो ये कम्पनियाँ कहाँ-कहाँ पर स्थापित की जायेंगी ; और

(ग) उनकी रूप रेखा क्या है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण) : (क) देश में "मिग" विमानों का निर्माण करने के लिए एक पब्लिक लिमिटेड कम्पनी स्थापित करने का निर्णय किया गया है।

(ख) (१) नासिक विमान ढाँचा बनाने वाली फैक्टरी के लिए ;

(२) कोरापेट इंजिन फैक्टरी बनाने के लिए।

(ग) निर्माण, के विस्तार विचाराधीन है।

Chinese Internees in Rajasthan

*877. { Shri P. C. Borooah:
Shri Onkarlal Berwa:

Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) whether action of the authorities to check some disturbances on the 31st March, 1963 in a Chinese internees camp in Rajasthan in segregating 80 internees, has been distorted by the Chinese authorities for propaganda against India; and

(b) if so, what is Government's reaction thereto?

The Deputy Minister in the Ministry of External Affairs (Shri Dinesh Singh): (a) Yes, Sir.

(b) The disturbances were caused because one group of Chinese internees who had opted to go to China attacked an internee who had opted to remain in India. When 2 or 3 other friends went to the help of the attacked internee they were also set upon by the miscreants.

According to correct diplomatic practice the Government of India informed the Chinese Embassy in New Delhi of the facts of this incident. Nevertheless, the Chinese Radio and Press attempted to twist these facts and to make out that the internees were being victimised.